मलिन बस्तियों को सुविधाएं

- 28 शहरों के कुल 1874 स्लम किए जाएंगे विकसित
- इस योजना पर खर्च किए जांगे 22.15 करोड़ रुपए

जागरण टीम, पटना : मलिन बस्ती नीति के अनुसार नगर निकाय द्वारा सभी मलिन बस्तियों को चिन्हित कर मैप तैयार किए जाएंगे। इसके साथ ही हर बस्ती के लिए एक संदर्भ कोड भी होगा। जिनके आधार पर ऐसी बस्तियों को विकसित किया जाएगा। यह घोषणा मंगलवार को नगर विकास एवं आवास मंत्री डा प्रेम कुमार ने नेहरू नगर, मुसहरी टोला, गांधी रोड दानापुर और राउंड टेबल नगर, दानापुर में मलिन बस्तियों के शिलान्यास के मौके पर की।

मंत्री डा कुमार ने कहा कि डीएफआईडी संपोषित, स्पर (सपोर्ट प्रोग्राम अरबन रिफार्म) की सहायता से 28 शहरों के कुल 1874 स्लम को विकसित किया जाना है। प्रथम चरण में 28 शहरों में से दो दो स्लम कुल 56 स्लम को विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना पर 22.15 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। डा प्रेम कुमार ने कहा कि जिन मलिन बस्तियों को सूचीबद्ध किया जाएगा उन्हें तमाम प्रकार की मूलभूत सुविधाएं दी जाएंगी। जिनमें आवास, जलापूर्ति, सीवरेज, शौचालय, सड़क निर्माण, वर्षा जल की निकासी, ठोस कचरे का निस्तारण जैसे कार्य शामिल होंगे। इसके अलावा योजना में स्वास्थ्य, शिक्षा जीविकोपार्जन गतिविधियां और बिजली कनेक्शन आदि सामाजिक सेवाओं के प्रावधान भी होंगे। डा प्रेम कुमार ने कहा कि अभी जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया है वह वित्तीय वर्ष 2011-12 की योजनाएं हैं। यह कार्य आगे भी जारी रहेगा। जो बस्तियां बच जाएंगी उनका विकास वर्ष 2012-13 की योजना से किया जाएगा।

मलिन बस्तियों का शिलान्यास करते मंत्री डा. प्रेम कुमार जागरण